विकसित भारत में शिक्षकों की भूमिका पर मंथन शुरू

▸ निर्मला महाविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में बोले वक्ता

उज्जैन। निर्मला महाविद्यालय में विकसित भारत / 2047 के संदर्भ में शिक्षक शिक्षा का दृष्टिकोण एवं रूपांतरण विषय पर 13 और 14 फरवरी को आयोजित होने वाली दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य शुभारंभ हुआ। इस आयोजन में देशभर के शिक्षाविदों और विद्वानों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (नेप) 2020 और भारतीय ज्ञान परंपरा के परिप्रेक्ष्य में शिक्षकों की बदलती और महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार रखे।

मेजर डॉ. चंद्रशेखर शर्मा ने बताया कि उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता उज्जैन के मेट्रोपॉलिटन आर्चबिशप डॉ. सेबेस्टियन वडक्केल ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एनसीटीई डब्ल्यूआरसी नई दिल्ली के निदेशक डॉ. शैलेश झाला मौजूद रहे। वहीं, सारस्वत अतिथि के रूप में सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज और विशिष्ट अतिथि के रूप में सरदार वल्लभभाई ग्लोबल यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद (गुजरात) के कुलगुरु प्रो. सुभाष ब्रह्मभट्ट ने शिरकत की।

इनके अलावा उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त संचालक डॉ. एच.एल. एनीजवाल, निर्मला महाविद्यालय समूह के निदेशक डॉ. एंटोनी जोसेफ निरप्पेल, प्रबंधक फादर जोस कडप्पारेल, प्राचार्या एवं अकादमिक निदेशक डॉ. कीर्ति डिड्डी और निर्मला शिक्षा महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. पंकजा सोनवलकर मंचासीन रहीं।

शिक्षकों के कंधों पर है देश के भविष्य की जिम्मेदारी: मुख्य वक्ता ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि शिक्षक न केवल विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का निर्माण कर रहे हैं, बल्कि देश के विकास में भी अपनी महती भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। बदलते दौर में शिक्षकों की जिम्मेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है।

इन अहम विषयों पर होगा तकनीकी सत्रों में मंथन

इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के विभिन्न तकनीकी सत्रों में शिक्षाविदों, विद्वानों और प्रतिभागियों द्वारा कई महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा की जाएगी। इनमें मुख्य रूप से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम, विविध स्तरों पर शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता व उसमें सुधार और विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास में भारतीय ज्ञान परंपरा द्वारा विकसित दृष्टिकोण के महत्व जैसे समसामयिक विषयों पर विचार मंथन किया जाएगा।

बिजली बिलों की वसूली के नाम पर की जा रही मनमानी नहीं होगी बर्दाश्त : जैन

घट्टिया। वित्तीय वर्ष के अंत में विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली बिलों की वसूली के नाम पर की जा रही ज्यादती व मनमानी की निरंतर शिकायतें ग्रामीण क्षेत्रों से मिल रही है। यदि जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मियों ने अपने आचरण नहीं सुधारें तों किसानों के साथ हमें सड़क पर उतरने को बाध्य होना पड़ेगा।

यह चेतावनी विधायक दिनेश जैन बोस ने गत दिवस जगोटी, बरखेड़ी बाजार के भ्रमण के दौरान ग्रामीणों व कांग्रेस पदाधिकारियों से मिली शिकायतें के पश्चात डी ई महिदपुर व अन्य जिम्मेदार अधिकारियों को मोबाइल पर दी। विधायक बोस ने कहा कि आप अपने वित्तीय वर्ष के लक्ष्य हासिल करने के लिए उपभोक्ताओं के साथ गलत व्यवहार कर रहे हैं प्राकृतिक आपदा के चलते किसानों की सोयाबीन व गेंहू की फसलें ख़राब हो गई है। बकायादारों के साथ विद्युत वितरण कंपनी के जिम्मेदारों का व्यवहार संवेदनशील होना चाहिए। भ्रमण के दौरान विधायक बोस ने ग्राम बरखेड़ी में ग्राम पंचायत द्वारा दस साल से कीचड़ व पानी निकासी की समस्या को लेकर सीसी रोड व की गई नालियों के निर्माण का अवलोकन किया व गुणवत्ता पूर्ण निर्माण कार्य करने के लिए सरपंच व पंचायत सचिव की सराहना भी की। सरपंच गोपाल डाबी, रजनीश तिवारी, अनंत शर्मा, भरत मालवीय, नंदकिशोर चौहान सहित ग्रामीण जन मौजूद थे।

एक नजर में

सुख-समृद्धि की कामना को लेकर दशा माता का पूजन

घट्टिया। शुक्रवार को दशा माता पूजन पर्व मनाया गया। सुहागिन महिलाओं ने व्रत रखकर 16 श्रृंगार कर पीपल के वृक्ष की पूजा कर सूत के 10 तारों से बने धागे में 10 गांठ लगाकर गले में धारण किया। ऐसी मान्यता है कि चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि को दशा माता पूजन पर्व मनाते हैं। परिवार की सुख शांति समृद्धि व ग्रहों की दशा सुधारने व घर में अनुकूल वातावरण की कामना को लेकर पूजन किया जाता है।

दशा माता व्रत के और पूजन से बदलती है किस्मत और दूर होती दरिद्रता

बड़नगर। चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि को दशा माता का व्रत और पूजन महिलाएं करती है। हिंदू धर्म में कई ऐसे व्रत और पूजा-पर्व हैं जो परिवार की सुख-समृद्धि और जीवन की कठिनाइयों को दूर करने के लिए किए जाते हैं. इन्हीं में से एक महत्वपूर्ण व्रत दशा माता व्रत है। यह व्रत विशेष रूप से सुहागिन महिलाएं अपने परिवार की खुशहाली और घर की आर्थिक स्थिति बेहतर करने के लिए रखती हैं। मान्यता है कि इस दिन श्रद्धा और विधि-विधान से दशा माता की पूजा करने से जीवन की विपरीत परिस्थितियां दूर होती हैं और घर में सुख, शांति और समृद्धि आती है। इस दिन महिलाएं पीपल के पेड़ की पूजा करती है और भगवान से आशीर्वाद मांगती है।

परिचय सम्मेलन के फोल्डर का विमोचन

उज्जैन। देवासगेट पर 13 मार्च की शाम 15 मार्च को होने वाले 32 वें राष्ट्रीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन की सम्पूर्ण जानकारी युक्त फोल्डर का विमोचन राष्ट्रीय महामंत्री अनिलसिंह चंदेल, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य-हरदयालसिंह एडवोकेट, अभिषेकसिंह बैस, लोकेन्द्रसिंह गौड़, दर्शन ठाकुर, मल्खानसिंह दीखित, अनिलसिंह राजपूत, राजेशसिंह दीखित, शैलेंन्द्रसिंह ठाकुर, राजेंन्द्रसिंह राठौड़, प्रदीपसिंह तोमर, लाखनसिंह असावत, श्यामबहादुरसिंह बघेल, राघवेंन्द्रसिंह जादौन, गजेंन्द्रसिंह चौहान, इन्द्रजीतसिंह कुशवाह, अनूपसिंह राणा, नागेंद्रसिंह जादौन, धनसिंह चौहान आदि ने किया है।

बच्चों ने किया बाबा की पालकी का पूजन

इंदौर. रणजीत हनुमान, द्रविड़ नगर, उषा नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में गुरुवार को सुबह साईं बाबा के साथ रणजीत हनुमान के जयघोष और आरती की मंगल ध्वनि से समूचा क्षेत्र गूंजता रहा. श्री केंद्रीय साईं सेवा समिति के तत्वावधान में चल रहे 32 वें साईं बाबा महोत्सव में साईं बाबा की पालकी एवं प्रभात फेरी की शुरुआत सुबह रंगोली, दीप सज्जा, आतिशबाजी और मनोहारी भजन संकीर्तन पर नाचते गाते चल रही मातृशक्ति के साथ हुई. साईं भक्त तरुण केतके के द्रविड़ नगर स्थित निवास पर पूजा अर्चना के साथ प्रारंभ हुई. केन्द्रीय साईं सेवा समिति के अध्यक्ष गौतम पाठक, प्रदीप यादव, तरुण केतके एवं समीर जोशी ने बताया कि साईं बाबा के जयघोष के उत्साहपूर्व माहौल में जैसे-जैसे प्रभात फेरी आगे बढती गई, रास्ते में मिलने वाले स्कूली बालक बालिकाओं के सिर श्रद्धा से बाबा की पालकी के समक्ष झुकने लगे. परीक्षा देने जा रहे बच्चे भी बाबा से प्रार्थना करते देखे गए. समापन अवसर पर हुई महाआरती में पूर्व पार्षद एवं महापौर प्रतिनिधि भारत पारख, आलोक खादीवाला, पिंकी भाटिया, मोहन पहलवान, चिराग तिवारी, ज्ञानेश्वर होल्कर, निलेश केदारे, ओम शिवगिरी, गुड्डू यादव, दिव्यांश केतके, सहित सैकड़ों भक्तों ने अपनी भागीदारी दर्ज कराई. समिति की ओर से बल्लू राठोर, सुनील खंडागले, मनीष वालेकर, महेश शाह, रिंकू गौर, दीपक वालेकर, लक्की वर्मा आदि ने 26 मार्च को राम नवमी पर साईं भक्त ब्रह्मलीन विनिता पाठक की स्मृति में बड़ा गणपति से छत्रीबाग साईं मंदिर तक निकलने वाली साईंराम यात्रा का न्योता क्षेत्र के रहवासियों को दिया.

माया से मुक्ति शिव की आराधना सबसे श्रेष्ठ

इंदौर. शिव ऐसे देव हैं, जो हमें मुक्ति, गति और भक्ति भी प्रदान करते हैं. शिव पुराण की कथा मन पर पड़े माया के आवरण को हटाती है. माया का मोहपाश मनुष्य को जीवनभर भटकाता रहता है. माया के मकड़जाल से मुक्ति के लिए भगवान शिव की आराधना सबसे श्रेष्ठ मानी गई है क्योंकि शिव पुराण भी स्वयं भगवान द्वारा रचे गए शब्दों की ही ऐसी जनकल्याणकरी कृति है, जो दुर्लभ मनुष्य जीवन को सही दिशा में ले जाने का मार्ग प्रशस्त करती है. ये विचार हैं प्रख्यात आचार्य पं. विष्णुदत्त शर्मा महर्षि के, जो उन्होंने गुरुवार को श्रीनगर मेन स्थित गार्डन पर खत्री महिला मंच एवं खत्री सभा इंदौर की मेजबानी में चल रही महाशिवपुराण कथा के चौथे दिवस उपस्थित भक्तों को कार्तिकेय के प्राकट्य और भगवान गणेश के जन्मोत्सव एवं अन्य प्रसंगों की व्याख्या के दौरान व्यक्त किए. प्रारंभ में खत्री सभा के अध्यक्ष प्रदीप बिरदी, हरीश कपूर, श्याम मेहता, विजय खन्ना, निर्मल मेहरा तथा महिला मंच की ओर से रीता टंडन, उर्वशी बिरदी, रीता बैजल, रंजना खन्ना, ममता सेठ एवं साधना कपूर ने वैदिक मंगलाचरण के बीच व्यास पीठ एवं शिव पुराण ग्रन्थ की पूजा-अर्चना की.

कथा का श्रवण व सत्संग मिलता है सौभाग्य से

▸ भागवत कथा में मनाया कृष्ण जन्मोत्सव

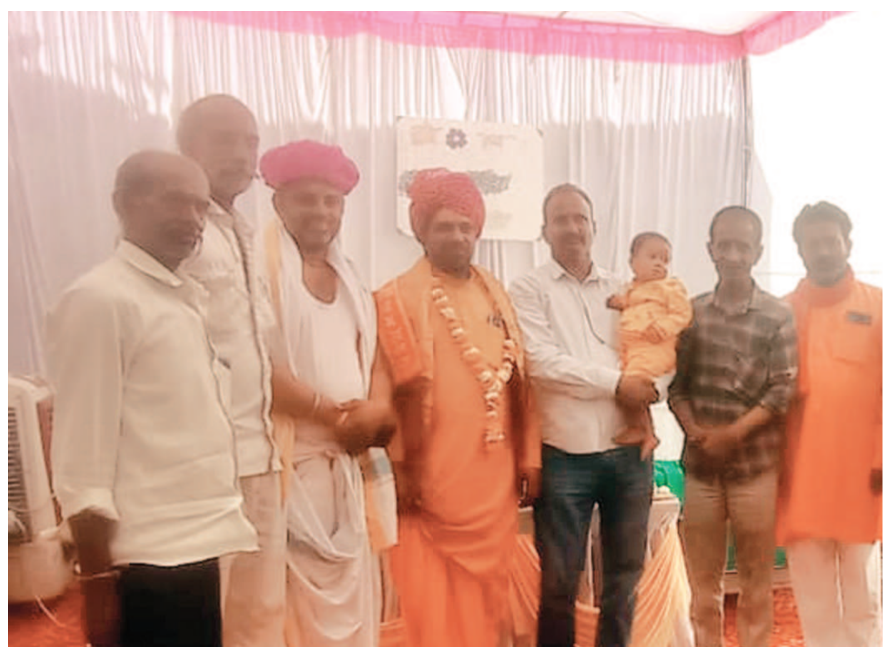

घट्टिया। भगवान की कथा व सत्संग का अवसर सौभाग्य से प्राप्त होता है कथा श्रवण के दौरान मिली एक सीख जीवन की दिशा बदल देती है , भगवान की सभी कथाएं मानव जीवन को रूपांतरित कर सही जीवन जीने की प्रेरणा देती है।

उक्त उद्गार श्री चारभुजा नाथ मंदिर के पुजारी पं. बनवारी लाल शर्मा ने सोलंकिया पाथी में भागवत कथा में कृष्ण जन्मोत्सव प्रसंग के दौरान उपस्थित धर्मावलंबियों के समक्ष व्यक्त किए। इस अवसर पर उपस्थित जिला कांग्रेस सेवादल ग्रामीण अध्यक्ष डॉ. चैनसिंह चौधरी, कांग्रेस नेता अनंत शर्मा, शेरसिंह सोलंकी महेश पांचाल, नारायण सिंह सोलंकी, ठा मेहरबान सिंह, नारायण सिंह भाभा, मोहित बना, निर्मल सिंह ने भागवत कथा प्रवक्ता पंडित शर्मा का शाल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया।

सर्व हिंदू समाज ने एसडीएम नागदा को सौंपा ज्ञापन

नागदा। दलित हिंदू युवक तरुण खटीक की निर्मम हत्या के विरोध में सर्व हिंदू समाज और क्षत्रिय मालवा खटीक सेना द्वारा राष्ट्रपति के नाम एसडीएम नागदा को ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने तथा पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की गई। इस दौरान क्षत्रिय मालवा खटीक सेना के प्रदेश प्रभारी अर्जुन बागड़ी ने कहां कि समाज के साथ हुए इस अन्याय को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों पर सख्त सख्त कार्रवाई की जाए। ज्ञापन वाचन अखिल भारतीय खटीक महासभा प्रदेश सचिव व शिवसेना संभाग प्रभारी विजय चावला द्वारा किया गया। जबकि आभार खटीक समाज के कोषाध्यक्ष घनश्याम सांवरिया ने व्यक्त किया। इस अवसर पर हिंदू जागरण मंच के मालवा प्रांत संयोजक भेरुलाल जी टांक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मनीष सेन, शिवसेना के समस्त कार्यकर्ता दीपक पांडे, क्षत्रिय महासभा के यशपाल सिंह सिसोदिया, आरटीई एक्टीविस्ट अभय चौपड़ा तथा बजरंग दल हिंदू जागरण मंच बीएमएस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। साथ ही खाचरोद खटीक समाज के राजा चावला सहित वाल्मीकि समाज, चंद्रवंशी समाज आदि के बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे। उक्त जानकारी सूरज कायस्थ द्वारा दी गई।

राजस्व अधिकारियों की हठधर्मिता से खाचरौद का विकास रुका

▸ करोड़ों की योजनाएं अधर में, गुर्जर ने मुख्यमंत्री, कलेक्टर से की हस्तक्षेप करने की मांग

नागदा। कलेक्टर और शासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद भी खाचरौद के स्थानीय राजस्व अधिकारियों की हठधर्मिता के कारण नगर पालिका को भूमि आवंटन की प्रक्रिया पूरी नहीं की जा रही है। इसके चलते शासन की करोड़ों रुपये की योजनाएं प्रारंभ नहीं हो पा रही हैं और कई परियोजनाओं की स्वीकृत राशि भी लेप्स होने की कगार पर पहुंच गई है।

पूर्व विधायक दिलीपसिंह गुर्जर ने प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि नगर पालिका परिषद खाचरौद कांग्रेस की होने के कारण स्थानीय राजनीतिक दबाव में योजनाओं को जानबूझकर विलंबित किया जा रहा है, ताकि परिषद की छवि जनता के बीच खराब की जा सके। मुख्यमंत्री व कलेक्टर को लिखे पत्र में पूर्व विधायक गुर्जर ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा भूमिपूजन किए जाने के बाद भी प्रशासनिक उदासीनता के चलते खाचरौद नगर में शासन की कई महत्वपूर्ण विकास योजनाएं शुरू नहीं हो पा रही हैं।

भूमि आवंटन की प्रक्रिया लंबे समय से लंबित होने के कारण करोड़ों रुपये की जनहितकारी परियोजनाएं ठप पड़ी हैं। पूर्व विधायक गुर्जर ने कहा कि केवल भूमि आवंटन में देरी के कारण शहर की महत्वपूर्ण विकास योजनाएं ठप पड़ी हैं। मुख्यमंत्री व जिला कलेक्टर से मांग की है कि मामले में स्वयं संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारियों से जवाब-तलब किया जाए और नगर पालिका को शीघ्र भूमि आवंटित कर योजनाओं को प्रारंभ कराया जाए, ताकि शहरवासियों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। पूर्व विधायक गुर्जर ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने जल्द निर्णय नहीं लिया तो जनहित के मुद्दे को लेकर व्यापक जनआंदोलन भी किया जाएगा।

नए स्वरूप में बनेगी मालवीय बलाई समाज धर्मशाला

▸ होली मिलन समारोह में लिया नवनिर्माण का निर्णय

▸ पूर्व विधायक रामलाल मालवीय की अध्यक्षता में हुई बैठक

▸ सड़क चौड़ीकरण के चलते टूटेगा आगे का हिस्सा, निर्माण के लिए तय की गई सहयोग राशि

उज्जैन। बाबा महाकाल की पावन नगरी उज्जैन में आगामी सिंहस्थ मेले के आयोजन को लेकर शहर में सड़क चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। इसके चलते हरसिद्धि मंदिर रोड स्थित ग्रामीण मालवीय बलाई समाज धर्मशाला के आगे का मुख्य भाग भी शासन-प्रशासन द्वारा हटाया जा रहा है। धर्मशाला की दशा और दिशा सुधारते हुए इसे एक नया और भव्य स्वरूप देने के लिए धर्मशाला समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक और होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया।

समिति के अध्यक्ष एवं उज्जैन के पूर्व विधायक रामलाल मालवीय की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक का भव्य शुभारंभ संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। बैठक में उपस्थित सभी समाजजनों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि सिंहस्थ मेले के दृष्टिगत धर्मशाला का आकर्षक सौंदर्यीकरण और नवीन निर्माण कार्य करवाया जाएगा।

नवनिर्माण में समाज के हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सदस्यता शुल्क के रूप में सहयोग राशि निर्धारित की गई है। समिति द्वारा लिए गए प्रस्ताव के अनुसार, 11,000 रुपए की सहयोग राशि देने वाले को आजीवन स्थायी सदस्य, 5,100 रुपए में विशेष आमंत्रित सदस्य और 2,500 रुपए की राशि देने वाले को साधारण सदस्य बनाया जाएगा।

इस महत्वपूर्ण बैठक का सफल संचालन भादवा माता धर्मशाला समिति के पूर्व अध्यक्ष अशोक खिंची ने किया तथा अंत में आभार उज्जैन धर्मशाला समिति के पूर्व अध्यक्ष रामसिंह मालवीय ने माना। घट्टिया जनपद पंचायत के सदस्य बद्रीलाल मालवीय ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में मुख्य रूप से पूर्व जिला पंचायत सदस्य भारत मालवीय, जवाहरलाल मालवीय, हीरालाल मालवीय, आसाराम मालवीय, राम सिंह सिसोदिया, परमानंद मालवीय, विक्रमलाल मालवीय, रमेश मकवाना (सलामता), बलदेव मालवीय, सुनील मालवीय, सुभाष गहलोत, गिरधारीलाल चौहान, भोलाराम परमार, भगवान मालवीय, गंगाराम मालवीय, रामचंद्र अटेला, पीरुलाल मालवीय, राजेंद्र सिसोदिया और मायाराम मालवीय सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

एक नजर ▸ जागेश्वर महादेव के भंडारे में उमड़े 5 हजार श्रद्धालु, संतों के सान्निध्य में खेली गई राधा-कृष्ण की होली

महाकाल नगरी में आस्था, भक्ति और रंगों से सराबोर हुई भाटगली

उज्जैन। महाकाल की नगरी में महाशिवरात्रि महोत्सव के उपरांत भी धार्मिक आयोजनों का सिलसिला सतत जारी है। इसी कड़ी में चामुंडा माता मंदिर के समीप भाटगली (बहादुरगंज) में जागेश्वर ग्रुप के तत्वावधान में विशाल भंडारा, भजन संध्या और राधा-कृष्ण की होली का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र में आस्था और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला, जहां करीब 5 हजार से अधिक भक्तों ने प्रसादी ग्रहण की और भजनों की धुन पर जमकर झूमे। जागेश्वर भक्त मंडल और वीरेंद्र भईजी मित्र मंडली के इस आयोजन ने न केवल धार्मिक एकजुटता का संदेश दिया, बल्कि शहर के सामाजिक उल्लास को भी नई ऊंचाई दी।

स्व. देवेन्द्र सिंह परिहार और स्व. विरेन्द्र सिंह ठाकुर (भईजी) की स्मृति में आयोजित इस कार्यक्रम को संतों का विशेष आशीर्वाद प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी महाराज ने शामिल होकर व्यवस्थाओं और आयोजकों के भक्ति भाव की मुक्त कंठ से सराहना की। आयोजन में संत शिरोमणि गणेशदास महाराज, महामंडलेश्वर महंत त्रिलोचनंदास महाराज, कैलाशदास महाराज, त्रिवेणी शनि मंदिर के श्री श्री 108 महंत रामेश्वर दास महाराज और महंत राकेश बैरागी जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। संतों ने अपने आशीर्वचन में इस प्रकार के सेवा कार्यों को सनातन संस्कृति का मूल आधार बताया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण राधा-कृष्ण की फूलों वाली होली और भजनों की मनमोहक प्रस्तुति रही। सुप्रसिद्ध भजन गायक बाबूलाल देवड़ा ने जब कान्हा और राधा के प्रेम प्रसंगों से सजे भजन प्रस्तुत किए, तो पूरा पांडाल भक्तिमय हो गया और श्रद्धालु झूमने लगे। कार्यक्रम का सफल संचालन सुदर्शन आयचित ने किया।

जागेश्वर ग्रुप के सदस्य अनिकेत सेन ने बताया कि महाशिवरात्रि के पावन पर्व की खुशी साझा करने और दिवंगत सदस्यों की स्मृति को जीवंत रखने के उद्देश्य से इस विशाल आयोजन की रूपरेखा तैयार की गई थी। इस भव्य आयोजन में मुख्य रूप से अनिकेत सेन, शुभम यादव, राजेश गोयल, प्रियांक चतुर्वेदी, यशपाल सिंह, पलक चौहान, रितेश गोयल, अनीता परिहार, अशोक सेन, ओम रामी, राजू, गरिमा, ऋषि ठाकुर, भीम महाराज और शुभम सोलंकी सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।